भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

**राज्‍य सभा**

**तारांकित प्रश्न संख्या \*79**

(जिसका उत्तर 28 जुलाई, 2015/06 श्रावण, 1937 (शक) को दिया जाना है)

**भारतीय बैंकों की अनुपयोज्‍य आस्‍तियों में वृद्धि**

\*79. श्री अहमद पटेल:

 क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्‍या एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय बैंकों की अनुपयोज्‍य आस्‍तियों (एनपीए) में वर्ष 2015-16 में वृद्धि होने का अनुमान है;

(ख) यदि हां, तो क्‍या विनिर्माण क्षेत्र में मंदी इसका कारण हैं; और

(ग) विगत तीन वर्षों में प्रत्‍येक वर्ष के दौरान सकल अनुपयोज्‍य आस्‍तियों, पुनर्संरचित आस्‍तियों और संकटग्रस्‍त आस्‍तियों में अंतर्ग्रस्‍त धनराशि कितनी-कितनी है और वर्ष 2015-16 के लिए तत्‍संबंधी क्‍या अनुमान है?

**उत्तर**

वित्त मंत्री (श्री अरुण जेटली)

**(क) से (ग):** एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*

**'भारतीय बैंकों की अनुपयोज्‍य आस्‍तियों में वृद्धि' के संबंध में श्री अहमद पटेल द्वारा पूछे गए 28 जुलाई, 2015 के राज्‍य सभा तारांकित प्रश्न संख्या \*79 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।**

**(क) से (ग):** अपनी वित्‍तीय स्‍थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) जून 2015 में भारतीय रिजर्व बैंक ने यह सूचित किया है कि बेसलाइन परिदृश्‍य के अंतर्गत सभी अनुसूचित वाणिज्‍यिक बैंकों की सकल अनर्जक आस्‍ति (जीएनपीए) अनुपात, जो मार्च 2015 की स्‍थिति के अनुसार 4.6% था, सितम्‍बर 2015 तक बढ़कर 4.8% हो सकता है तथा तत्‍पश्‍चात मार्च 2016 तक इसमें 4.7% तक सुधार हो सकता है। तथापि, यदि व्‍यापक आर्थिक परिस्‍थितियों में गिरावट आती है, तो जीएनपीए अनुपात में और गिरावट आ सकती है तथा अत्‍यंत दबाव की स्‍थिति में मार्च 2016 तक यह बढ़कर लगभग 5.9% हो सकता है।

 बैंकों की अनर्जक आस्‍तियों (एनपीए) में वृद्धि के कारणों में समय पर सांविधिक अनुमोदन प्राप्‍त न होने के कारण परियोजनाओं के कार्यान्‍वयन में विलंब, बंद पड़े कोयला खदानों को रद्द करना, उच्‍च कारपोरेट लाभ (लेवरेज), विशेष रूप से हरित क्षेत्र की बड़ी परियोजनाओं में जोखिम संकेन्‍द्रण तथा वैश्‍विक मांग में कमी, जिससे क्षमता में आवश्‍यकता से अधिक वृद्धि होती है, शामिल है।

 गत तीन वर्षों में प्रत्‍येक वर्ष के दौरान सकल एनपीए, तदनुसार पुनर्संरचित आस्‍तियों का ब्‍यौरा निम्‍नानुसार है:-

**जीएनपीए अनुपात तथा पुनर्संरचित मानक अग्रिम अनुपात:**

**अनुसूचित वाणिज्‍यिक बैंक (एससीबी) प्रतिशतता में**

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| क्रम सं. | एससीबी | मार्च 2013 | मार्च 2014 | मार्च 2015 |
| I | जीएनपीए अनुपात % | 3.42 | 4.11 | 4.45 |
|  | सकल एनपीए | 183854 | 251060 | 297631 |
| II | पुनर्संरचित मानक अग्रिम अनुपात | 5.81 | 5.87 | 6.43 |
|  | पुनर्संरचित मानक अग्रिम | 311939 | 357907 | 429556 |
| III | जीएनपीए अनुपात तथा सकल अग्रिम की तुलना में पुनर्संरचित मानक अग्रिम | 9.23 | 9.98 | 10.88 |
|  | जीएनपीए तथा पुनर्संरचित मानक अग्रिम | 495793 | 608967 | 727187 |

(स्रोत: आरबीआई – मार्च 15 आंकड़े अनंतिम)

\*\*\*\*\*